

कमील अर्जी उपर। पतावनी के एकपक्षि कहे हुनी
 उपर। पतावनी का वाक्योक्तन विना अन्त। कसब लेख
 में इस उद्धार है कि अर्जी द्वारा आयनी क्र० न० 129
 क्र० 1.0495 है। बाके ग्राम गुनेसरी पटवार एका
 गुनेसरा तहसील करौली जिला करौली तहसील पर
 करौली (स पैमाइश कराई जाकर पत्तागढी कबल बाके
 के साक्ष्य हेतु निवेदन लिखा है। पतावनी में पूर्व के
 विधान से पुछा है। कसब के पत्तागढी के साक्ष्य
 लिखा जाका उचित उतीर होता है।

अतः अर्जिगण का प्र० पत्र स्थिर

लिखा जाकर ग्राम गुनेसरी पटवार एका गुनेसरा तहसील
 करौली में इनके श्वाते की स्थिति अर्जि आयनी क्र० न०
 129 क्र० 1.0495 है। बाके ग्राम गुनेसरी पटवार एका
 गुनेसरा तहसील करौली की पत्तागढी वमापनात परकमान
 कि जाके के साक्ष्य पठित लिखा जाता है। इय्य साक्ष्य
 की पालना के लिए तहसीलदार, करौली को 2000-कसब
 किस पर कसियना निद्रुवा लिखा जाता है। कसियनर
 की अर्जिगण द्वारा अर्जा की जावेगी। तहसीलदार, करौली
 सही पत्रोपिधान को इय्येय सायनीपान की पत्तागढी के
 लिखित सूचना पत्र के अन्त व तीरके स्थित अर्जे। मौके
 पर श्वाते कदल होने की स्थिति में पत्तागढी नहीं कीगयी
 परकमान उपपत्र की मौजूदगी में ही पत्तागढी की जावे।
 उक्तकीन विन्दु का साक्ष्य भालकर तीरकेयन का पत्तागढी
 लिखे जाने के साक्ष्य उदान लिखे जाते हैं। साक्ष्य की शर्त
 पालनाके तहसीलदार, करौली को भिजावे जावे। कसब
 अपना-भपना कहे की। पतावनी अर्जि अन्त अन्त
 जेकर से कसब श्वाते वाक्योक्त उपर है।

उपस्थापित
 करौली